

# NCERT SOLUTIONS FOR CLASS 6TH SANSKRIT : CHAPTER 15

# पाठ का परिचय (Introduction of the Lesson)

प्रस्तुत पाठ एक बालगीत है। एक बालक विस्तृत नील गगन में चंदा मामा की ओर आकर्षित हो अनुरोध करता है कि चंदा मामा आएँ उस पर स्नेह बरसाएँ, उसे गीत सुनाएँ। चंदा मामा कहाँ से आते हैं, कहाँ जाते हैं—यह बात भी उसे अचंभे में डालती है।

## पाठ - शब्दार्थ एवं सरलार्थ

(क) कुत आगच्छिस मातुलचंद्र? कुत्र गमिष्यसि मातुलचंद्र? अतिशयिवस्तृतनीलाकाशः नैव दृश्यते क्वचिववकाशः कथं प्रयास्यसि मातुलचंद्र? कुत्र आगच्छिस मातुलचंद्र?

शब्दार्थी: (Word Meanings): कुत:-कहाँ से (from where), आगच्छसि-आते हो (comes), भातृलखंद्र-हे चंदामामा (Uncle Moon), कुत्र-कहाँ (where), गमिष्यसि-जाओगे (will go), अतिशप्यविस्तृत-बहुत ज्यादा फैला हुआ (spread out so far and wide), क्वचिब्-कहीं (anywhere), प्रयास्यसि-जाओगे (will go), कथम्-किस प्रकार (how)!

अन्वयः मातुलचन्द्र! कुतः आगच्छिस? मातुलचन्द्र! कुत गमिष्यसि? अतिशयविस्तृत नीलाकाशः (अस्ति); क्वचिद् अवकाशः नैव (न + एव) दृश्यतेः (है) मातुलचन्द्र! (त्वं) कथं प्रयास्यसि? (है) मातुलचन्द्र! (त्वम) कुतः आगच्छिस?

#### सरलार्थ :

हे चंदा मामा! तुम कहाँ से आते हो? कहाँ जाओगे? नीला आकाश बहुत दूर-दूर तक फैला हुआ है, कहीं खाली जगह (अवकाश:) नहीं दिखाई देती। चंदा मामा! तुम कैसे जाओगे? हे चंदा मामा तुम कहाँ से आते हो?

#### **English Translation:**

O Uncle Moon! where do you come from, where will you go to? The blue sky is spread far and wide. O Uncle Moon! how will you go (travel) no open space is visible. O Uncle Moon, where do you come from?

nCBSE.in

(ख) कथमायासि न भो! मम गेहम् LearnCBSE.in मातुल! किरसि कथं न स्नेहम् कदाऽऽगमिष्यसि मातुलचंद्र? कुत आगच्छिस मातुलचंद्र?

शब्दार्था: (Word Meanings): कथमायासि ( कथम् + आयासि )—कैसे / क्यों आते हो? (how do you come?), भो-संबोधन सूचक अव्यय (a symbol for addresing with respect), गेहम्-घर (home), किरसि-विखोरते हो (scatter/shower), स्नेहम्-स्नेह (affection), कदा आगामिष्यसि ( कदाऽऽगमिष्यसि )—कब आओगे (when will you come)।

अन्यय: मो: कथम् मम गेहं न आयासि? मातुल: कथम् स्नेहं न किरसि? मातुलचन्द्र! (त्वं) कदा गमिष्यसि?, मातुलचन्द्र! (त्वं) कुत: आगच्छसि?

आप मेरे घर क्यों नहीं आते हो। मामा। तुम स्नेह क्यों नहीं बरसाते हो? चंदा मामा! तुम कब आओगे? चंदा मामा! तुम कहाँ से आते हो?

#### **English Translation:**

Why don't you come to my house; O Uncle, why don't you shower affection (on me). O Uncle Moon, when will you come? (I wonder) O Uncle Moon, where you come from?

(ग) धवलं तव चंद्रिकावितानम् तारकखचितं सितपरिधानम् मह्यं दास्यसि मातुलचंद्र? कृत आगच्छिस मातुलचंद्र?

शब्दार्था: (Word Meanings): धवलं-सफ़ेद (white), चंद्रिकावितानम्-चाँदनी का फैलाव (extension of moonlight), तारकखचितम्-तारों से भरा (full of stars), सितपरिधानम्-सफ़ेद चादर / पहनावा (white robe), महाम्-मुझे / मेरे लिए (me/for me)।

अन्वयः मातुलचन्द्र! तव चन्द्रिकावितानम् धवलम् (अस्ति); (किं त्वं) तारकखचितं सितपरिधानम् मह्यम् दास्यसि? मातुलचन्द्र! कुत: आगच्छिसि?

#### सरलार्थ :

तुम्हारी फैली हुई चाँदनी सफ़ेद है। तुम्हारा सफ़ेद वस्त्र/चादर तारों से भरा है। हे चंदा मामा, क्या तुम (यह बस्त्र) मुझे दोगे? हे चंदा मामा, तुम कहाँ से आते हो?

#### **English Translation:**

Your extension/pervasion of moonlight is white. Your white robe is studded with stars. O Uncle Moon! will you give (it) to me? Uncle Moon! where do you come from?

(घ) त्वरितमेहि मां श्रावय गीतिम् प्रिय मातुल! वर्धय मे प्रीतिम् किनायास्यसि मातुलचंद्र? कत आगच्छिस मातुलचंद्र?

LearnCBSE.in मातुलचन्द्र:!!

शब्दार्थाः (Word Meanings): त्वरितम् अन्दी (विश्वास्त्र किंगी) एहि – आओ (come), श्रावय-सुनाओ (make me listen), गीतिम्-गीत (song), वर्धय-बढाओ (increcase/ enhance), प्रीतिम्-प्यार (love/affection), किन्नायास्यसि (किम्+न+आयास्यसि )-क्या नहीं आओगे (will you not come)।

अन्वयः प्रिय मातुलः! (त्वम्) त्वरितम् एहि; माम् गीतिम् श्रावयः; (त्वम्) में प्रीतिं वर्धयः; मातुलचन्द्रः! किं (त्वं) न आयास्यसि? मातुचन्द्र! कुत: आगच्छिसि?

### सरलार्थः

जल्दी आओ, मुझे गीत सुनाओ, प्यारे मामा! मेरा प्यार बढ़ाओ, चंदा मामा क्या तुम नहीं आओगे? चंदा मामा कहाँ से आते हो ण्तुम?

#### English Translation:

Come quickly, sing a song for me, dear uncle, enhance my love (ie give me more love). O Uncle Moon, won't you come? (I wonder) Uncle Moon! where do you come from?

- (क) अकारांत शब्दों में संबोधन एकवचन के रूप में विसर्ग नहीं लगता।
  - यथा— चंद्र अथवा मातुल शब्द संबोधन में- 'हे मातुल' अथवा 'हे मातुल चंद्र' होता है। अर्थात् उसमें विसर्ग नहीं लगता। इसी प्रकार—'बालक' 'मित्र', 'नर', 'छात्र' आदि शब्द भी संबोधन एकवचन में- हे मित्र! हे नर! हे छात्र! आदि होते हैं।
- (ख) आकारांत, इकारांत, उकारांत शब्दों में भी संबोधन रूप ध्यातव्य है। यथा-
  - (i) देवी शब्द हे देवि!
- (i) बालिका शब्द हे बालिके! लता शब्द – हे लते!
- सखी शब्द हे सखि!
  - (ii) साधु शब्द हे साधो!

(ii) मुनि शब्द - हे मुने! कवि शब्द - हे कवे!

प्रभू शब्द - हे प्रभो।

- • अभ्यास: (Exercise) •-

प्रश्न: 1. बालगीतं साभिनयं सस्वरं गायत। (बालगीत अभिनय के साथ गाइए- Sing the nursery rhyme with gestures.)

उत्तरम्- छात्र बालगीत स्वयं गाएँ।

प्रश्न: 2. पद्यांशान् योजयत- (पद्यांशों का मिलान कीजिए- Match the verses.)

मातुल! किरसि तारकखचितं त्वरितमेहि मां अतिशयविस्तृत धवलं तव

सितपरिधानम् श्रावय गीतिम् चन्द्रिकावितानम् कथं न स्नेहम्

LearnCBSE.in

संस्वतानिक मं श्रीहर्मानिकाम्य स्वितारिक मं श्रीहर्मानिकाम्य स्वितारिक मं श्रीहर्मानिकाम्य प्रवाद मं श्रीहर्मा महत्वा हो हो हिस्से महत्वा हो हिस्से हिस्से महत्वा हो हिस्से हिससे	उत्तरम्-	मातुल किरसि	L	earn OBSE	.in
अतिशयिबस्ता प्रवास त्र प्रधास त्र प्रधास हितपरिधानम् ।  प्रथम ३. प्रधासिषु रिक्तप्रधानाि पूरयन (पद्यांशी में रिक्तप्रधान शरिए Fill in the blanks in the verses.)  (क) प्रिय मतुला		तारकखचितम्		चंद्रिकावितानम्।	
भवतं तब सितारिधानम्।  प्रथम: ३. पद्याणेषु रिक्तस्थानािष पूरवस — (पद्याशो में रिकारथान भरिए — Fill in the blanks in the verses.)  (क) शिव मञ्जलः — प्रांतिष् (ख) कर्ष प्रवास्त्री — "हिष् (ग) — "वर्षायं में (ख) मञ्जलनंद (ग) नैव दूरवर्ते (भ) मद्यम् (ङ) भी मम।  प्रथम: ४. प्रथमनाम् उत्तराणि तिख्वत — (प्रर्यों के उत्तर लिखिष् — Answer the questions.) — (क) अधिम् पाठे कः मानुलः (ख) नीलकाः कोदृतः अस्तरः (ग) मानुलवरः कि न किरमिः (ख) नीलकाः कोदृतः अस्तरः (ग) मानुलवरः कि न किरमिः (ख) नीलकाः कोदृतः अस्तरः (ग) मानुलवरः के न किरमिः (ख) नीलकाः किरमः (ख) नीलकाः किरमः (ख) नीलकाः किरमः (ख) नीलकाः किरमः (ख) नीलकाः विस्तरः अस्ति। (ग) मानुलवरः स्त्रे व किरमिः (ख) मीनिकाः विस्तरः अस्ति। (ग) मानुलवरः स्त्रे व किरमिः (ख) मीनिकाः विस्तरः अस्ति। (व) मीनिकाः विस्तरः अस्ति। (व) मीनिकाः विस्तरः विस्तर्याधानम् मारक्वितरम् प्रवासि मान्योधाने परिवर्यन — (उदाहरणानुसार निम्निलिखत प्रवासि मान्योधाने परिवर्यन — (उदाहरणानुसार निम्निलिखत प्रवासि मान्योधाने परिवर्यय — (उदाहरणानुसार निम्निलिखत प्रवासि मान्योधान परिवर्यय — (उदाहरणानुसार निम्निलिखत पर्यासि मान्योधान — (उदाहरणानुसार निम्निलिखत —					
(क) प्रियं मतुला		BASSON PROPERTY			
(क) प्रियं मतुला	प्रश्नः ३.	पद्यांशेष रिक्तस्थानानि पुरव	वत– (पद्यांशों	में रिक्तस्थान भरिए-	Fill in the blanks in the
(ख) कथं प्रयास्थित (ग)					
(ग) — व्यविवदक्षाः। (श) — व्यव्यविवक्षाः। (श) — व्यव्यविवक्षाः। (श) — व्यव्यविवक्षाः। (श) — वर्षयं में (ख) मातुलवंद्र (ग) तैव दृश्यते (घ) मात्रम् (छ) भी। मम।  प्रश्न: 4. प्रश्नामम् उत्तराणि लिखन ( प्रश्नों के उत्तर लिखिए — Answer the questions.) (क) अस्मिन् पाठे कः मातुलः? (ख) गीतालाकाः केंद्रशः अस्ति? (ग) मितुलवंदः किं न विवसि? (घ) किं अववित्त विशुः चंद्र कथयति? (छ) गीतालाकाः विवद्तः अस्ति। (ग) मातुलवंदः केंद्र न विवसि? (ख) गीतालाकाः विवद्तः अस्ति। (ग) मातुलवंदः केंद्र न विवसि? (ख) गीतालाकाः विवद्तः अस्ति। (ग) गीतालाकाः विवद्तः अस्ति। (ग) गीतालाकाः विवद्तः अस्ति। (ग) गीतालाकाः विवद्तः अस्ति। (व) गोतालाकाः विवद्तः अस्ति। (व) गोपालः — चर्दः (ख) गोपालः — व्यव्या—विवः — चर्दः (ख) गोपालः — व्यवा—विवः — विवः (ख) मातिन — व्यवा—विवः — विवः (ख) मातिन — व्यवा—विवः — विवः (ख) गोपालः (क) ग्रियंवदे। (ख) त्वते। (क) गानुः — (ख) गुस्तकः (क) त्वेः (ख) त्वते। (व) भागोः (ख) गुस्तकः (क) त्वेः (ख) त्वते। (व) भागोः (ख) ग्रतालः अपयुक्तालाम् अव्ययययानां प्रयोगेण विकास्थानानि पूरवत ( मञ्जूणा से उपयुक्तालानाम् अव्ययययानां प्रयोगेण विकास्थानानि पूरवत ( मञ्जूणा से उपयुक्तालाः अपवृक्तिः (क) त्वेः (ख) त्वते। (व) गानोः (ख) प्रतालः अववितः — व्यवितिः अववितः (व) कम्। प्रपः केंदा अव्यवितः विवः (व) क्वतः (व) कम्। प्रपः (क) व्यवालो मयुगः — व्यवितः (व) कम्। प्रपः (क) व्यवालो मयुगः — व्यवितः (व) कम्प (छ) किम्। प्रपः (क) व्यवालो मयुगः — व्यवितः (व) कम्प (छ) किम्। प्रपः (क) व्यवालो मयुगः — व्यवितः (व) कम्प (छ) किम्। प्रपः (क) व्यवालो मयुगः — व्यवितः (व) कम्प (छ) किम्। प्रपः (क) व्यवाला मयुगः — व्यव्वतः (व) कम्प (छ) किम्। प्रपः (क) व्यव्वतः (व) कम्प (च) कम्प (छ) किम्। प्राचः (व) विवः (व) विवः (व) विवः (व) विवः (व) विवः (व) विवः (व) विव			-		
(च) — सम्यावास न — पेहर्य (अ) महान्व (प) नैव दृश्यते (घ) महाम् (ङ) भो। सम। क्ष्या स्थास न (अ) मातुलवंद (ग) नैव दृश्यते (घ) महाम् (ङ) भो। सम। क्ष्या सं (अ) मातुलवंद (ग) नैव दृश्यते (घ) महाम् (ङ) भो। सम। क्ष्या सं (अ) मीतुलवंद (ग) नैव दृश्यते (घ) महाम् (ङ) भो। सम। क्ष्या सं (अ) मीत्वालकाशः कीदृशः अदित? (ग) मातुलवंदः कि न किरसि? (अ) अत्रावाय् व्रिष्युः चंद्र कथवति? (ङ) चंद्रस्य सितगरियानम् कथम् अस्ति? (अ) मीत्वालकाशः विद्युतः अस्ति। (ग) मातुलवंदः नेव न किरसि। (ग) मातुलवंदः नेव न वहां (ख) मोपलः व्या—वालिक। वालिको। (ख) मोपलः व्या—वालिक। वालिको। (ख) मात्वलवंदः!! अव्या—पत्तिः — त्वे! (ख) मात्वलवंदः!! अव्या—पत्तिः — त्वे! (ख) मात्वलवंदः!! अव्या—पत्तिः — त्वे! (ख) मात्वलवंदः!! (ख) किरस्य—पत्तिः — त्वः । (ख) मात्वलवंदः (ख) किरस्य—पत्तिः — त्वः । (ख) मात्वलवंदः (ख) किरस्य—पत्तिः । त्वः । विद्यः — विद्यः ।					
(ङ) कथमावासि न पेहम्।  प्रतास् (क) वर्षय में (ख) मातुलचंद्र (ग) नैव दृश्यते (घ) महाम् (ङ) भो! मम।  प्रशः 4. प्रश्नवाम् उत्तराणि लिखत — (प्रश्नों के उत्तर लिखिए — Answer the questions.) —  (क) असिम् पाठे कं. मातुलः?  (त) मातुलचंद्र: किं न किसीय?  (घ) किं आविष्त्र तिश्चाः किं कथाति?  (ङ) चंद्रस्य सितपरिधानम् कथम् असितः  (च) गीलाकामः कीद्रमः असितः  (प) मातुलचंद्र: केंद्र मातुलः।  (ख) गीलाकामः विन्तृतः असितः  (प) मातुलचंद्र: केंद्र मातुलः।  (ख) गीलाकामः विन्तृतः असितः  (प) मातुलचंद्र: केंद्र मातुलः।  (ख) गीलाकामः विन्तृतः असितः  (प) मातुलचंद्र: केंद्र मातुलः।  (ख) चंद्रस्य सितपरिधानम् तात्कखित्रम्य असितः।  (प्रशः 5. उदाहरणानुसारं निम्नलिखित प्रवानि सम्बोधने परिवर्तयत — (उदाहरणानुसारं निम्नलिखित प्रवानि सम्बोधने परिवर्तयत — (उदाहरणानुसारं निम्नलिखित पर्वः को सम्बोधन में बर्तविए — Change the words given below into vocative case as pe example.)  प्रथा — चन्द्र: — चन्द्र!  (क) रिगयः — चन्द्र!  (क) शित्रमः — खंतिकोः  (क) प्रितंच — खंतिकोः  (क) प्रवंच — साधौ।  (क) प्रवंच — साधौ!  (क) मातुः — खंतिकोः  (ख) कविः — चया—साधुः — साधौ!  (क) मातुः — खंतिकोः  (क) मेत्रः — विदः (ख) मातिनी — जतासम्वाच्या—ति मातुलचन्दः। अस्ति।  प्रथमः — ति विष्यः । खो गोपाला (क) प्रयंवदे। (ख) कवे।  (ग) भानोः (ख) पुस्तकः (क) रवे। (ख) कवे।  (ग) भानोः (ख) प्रताकः (क) रवे। (ख) मातिनी।  प्रथमः 6. मञ्जूपातः उपयुक्तानाम् अध्ययपयानां प्रयोगोण रिक्तस्थानानि पुरयत — (मञ्जूषा से उपयुक्तव्यव्यां प्रथमः करके दिवत स्थान मित्रमः मित्मः (ख) अव्याच्याः केंद्रिः (ख) कवे।  (ख) गला कर्वा करके वित्त स्थान मित्रमः मित्रमः मित्रमः प्रयान्तिः असितः?  (ख) तवं च्याच्याः असितः व्याक्वतिः?  उत्तरमार्थाः असितः प्रवहतिः (ख) कथम्।  प्रथमः 7. तत्समाराख्यान् विल्वत (तत्समः शाव्य लिखिए— Write these words as they are i Sanskrit.)  मात्रमः स्वतः — कत्तरः वित्तरः स्थान लिखिए— Write these words as they are i Sanskrit.)  मात्रस्याः स्थाः — कत्तरः स्थान स्थान लिखिल्य — स्थानिः स्थान					
श्वरम् — (क) वर्षय में (ख) मातुलवंद (ग) नैव दुश्यते (घ) महाम् (ङ) भो! मम।  श्वरा: 4. प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत — (प्रशों के उत्तर लिखिय — Answer the questions.)  (क) अस्मिन् याठे क: मातुलाः?  (ख) नीलाकाशः कीदृशः अस्ति?  (ग) मातुलवंदः किं न किस्सि?  (घ) किं आविष्यं शिशुः चंद्र कथवति?  (उ) नीलाकाशः किंदुनः अस्ति?  (उ) नीलाकाशः किंदुनः अस्ति?  (उ) नीलाकाशः किंदुनः अस्ति?  (उ) नीलाकाशः किंदुनः अस्ति?  (अ) नीलाकाशः किंदुनः अस्ति।  (ग) मातुलवंदः किं न किस्सि।  (प) गीति आविष्यं शिशुः चंद्र कथवित।  (उ) नीलाकाशः विद्युतः अस्ति।  (प) गीति आविष्यं शिशुः चंद्र कथवित।  (उ) चंद्रस्य सितर्गरिधानम् तालकाविष्यम् अस्ति।  श्वरा च्यद्रः — चन्द्र!  (क) स्रायः मन्दिलं — चन्द्र!  (क) शियः — चन्द्र!  (क) शियः — चला LearnCBSE.in  (क) प्रशंच — चले — सित्रेचे।  (क) प्रशंच — साथे!  (क) मातुन — स्वया — साथे!  (क) मातुः — साथे!  (क) मातुः — साथे!  (क) भातुः — साथे!  (क) भाति। (ख) मातिनी — उत्तरम्म — सम्त्रम्म मातिन।  प्रश्नः 6. मञ्जूपातः उपयुक्तानाम् अध्ययपयानां प्रयोगिण सिकास्थानाति पुरयत — (मञ्जूषा से उपयुक्तव्ययानां प्रयोग करति स्वाः स्वाः मित्रम् मित्रम् मित्रम् मित्रम् (ख) कवे!  (ण) मानो! (ख) प्रशाः — क्वितः?  कुतः कदा कुत्र कथे किम्  (ख) त्वं — पुर्ते गिम्पाव्यति?  (ख) त्वं च्यां काले मयूतः — कुवील?  उत्तरमम् (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुतः (ख) कथम् (ङ) किम्।  प्रश्नः 6. मञ्जूपातः विद्याला (लिखान — (तत्सम शाव्य लिखिए— Write these words as they are i Sanskrit.)  मामा  भोर  तात्रम्यः 7. तत्समशब्दान् लिखान — (तत्सम शाव्य लिखिए— Write these words as they are i Sanskrit.)  मामा  भोर  तात्रम्या स्वत्रस्य —					
सन्न: 4. प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखन ( प्रश्नां के उत्तर लिखिए - Answer the questions.) (क) असिम् पाठे क: मातुलः? (ख) नीलाकाशः कीट्रशः अस्ति? (ग) मातुल्लंदः कि न किरसि? (ग) मातुल्लंदः कि न किरसि? (ख) कंत्रस्य सितापीधानम् कथम् अस्ति? (क) असिम् पाठे कंद्रः मातुलः। (ख) नीलाकाशः किर्नुतः असि। (ग) मातुल्लंदः स्तेतं न किरसि। (ग) मात्रालंदि न न नद! (ख) गोपालः - व्यान्तः - चन्द! (ख) गोपालः - व्यान्तः - विः (ख) प्रत्तः - व्यान्तः - विः (ख) प्रत्तः - व्यान्तः - विः (ख) प्रत्तः - व्यान्तः - विः (ख) मातिनं - व्यान्तः - विः (ख) मातिनं - व्यान्तः - विः (ख) प्रत्तः (ख) किर्ते (ख) कते। (ग) मात्रः (ख) प्रत्तः (ख) मातिनं - व्यान्तः प्रत्तः (ख) मातिनं - व्यान्तः - विः (ख) प्रत्तः (ख) कते। (ख) प्रत्तः (ख) कते। (ग) मात्रे। (ख) प्रत्तः (ख) मातिनं प्रप्तः (मञ्जूषाः उपयुक्तानाम् अव्यययवानां प्रयोगेण सिक्तस्थानाति पृत्यतः (मञ्जूषाः उपयुक्तानाम् अव्यययवानां प्रयोगेण सिक्तस्थानाति पृत्यतः (मञ्जूषाः अव्यवन्तः अस्ति? (ख) ल्वं किर् पुतं गीमध्यसि? (ग) महात्तः अस्ति? (ख) ल्वं न्तिः अस्ति? (ख) ल्वं न्तिः अस्ति? (ख) त्वान्तः (ख) कर्वातः (ख) कर्वातः (ख) कर्वातः (ख) मात्रानः मात्रानः वित्यनः (ख) कर्वातः प्रत्तः व्यान्तः प्रत्तिः प्रत्तः व्यान्तः प्रत्तिः व्यान्तः प्रत्ताः व्यान्तः (ख) कर्वातः (ख) कर्वातः (ख) कर्वातः व्यान्तः विव्यः (ख) कर्वातः विव्यः (ख) कर्वातः विव्यः प्रत्ताः व्यान्तः विव्यः (ख) कर्वातः विव्यः प्रत्ताः विव्यः विव्यः विव्यः प्रत्ताः विव्यः विव्यः प्रत्ताः विव्यः विव्यः विवयः विवयः विवयः प्रत्ताः विवयः					
(क) अस्मिन् पाठे क: मातुलः? (ख) गीलाकाशः कोइशः अस्ति? (ग) मातुल्वईः किं न किरसि? (१) किं अववित्तृ शिशः चंद्र कथयति? (ॐ) चंद्रस्य सितपरिधानम् कथम् अस्ति? (अ) गीति आवित्तृ शिशः चंद्र कथयति? (अ) गीति आवित्तृ शिशः चंद्र कथयति। (व) गीति आवित्तृ शिशः चंद्र कथयति। (३) चंद्रस्य सितपरिधानम् कथम् अस्ति। (१) गीति आवित्तृ शिशः चंद्र कथयति। (ॐ) चंद्रस्य सितपरिधानम् तारकखीवतम् अस्ति। (१) गीति आवित्तृ शिशः चंद्र कथयति। (ॐ) चंद्रस्य सितपरिधानम् तारकखीवतम् अस्ति। (१) गीति आवित्तृ शिशः चंद्र कथयति। (ॐ) चंद्रस्य सितपरिधानम् तारकखीवतम् अस्ति। (१) चंद्रस्य सितपरिधानम् तारकखीवतम् अस्ति। (१) चंद्रस्य नित्तृ — पन्द्रः (१) गीपालः — चंद्रस्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्या चंद्रस्या चंद्रस्या चंद्रस्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य म्याच्रस्य म्याच्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य चंद्रस्य म्याच्या चंद्रस्य चंद्र					
(ख) नीलाकाश: कीट्रश: अस्ति? (ग) मातुलवंद: किं न किरमि? (श) के आविस्त विष्णु: चंद कथवि? (ॐ) चंद्रस्य सिवर्गरिधानम् कथम् अस्ति? (ॐ) चंद्रस्य सिवर्गरिधानम् कथम् अस्ति? (ॐ) चंद्रस्य सिवर्गरिधानम् वास्तुल: अस्ति। (ग) गीति आविष्तु क्षिणु: चंद्र कथयि। (भ) गीति आविष्तु क्षिणु: चंद्र कथयि। (भ) गीति आविष्तु क्षिणु: चंद्र कथयि। (ॐ) चंद्रस्य सिवर्गरिधानम् तास्त्रजीवनम् अस्ति। (ॐ) चंद्रस्य सिवर्गरिधानम् तास्त्रजीवनम् चंद्रस्य च्या—विस्तृ — चंद्रस्य चंद्र				उत्तर लिखिए— Ans	wer the questions.)
(ग) मातुलचंद्र: किं न किसीस?  (घ) किं आविष्तु शिशुः चंद्र कथयगि?  (ङ) जंदरस्य सितर्गरिभानम् कथम् असित?  उत्तरम्— (ङ) असिनम् गाठे चंद्रः मातुलः!  (ख) नीलाकाशः विस्तृतः असित।  (ग) मीतुलचंद्रः स्रेंड न किरिस।  (घ) नीलाकाशः विस्तृतः असित।  (घा नालाका में बरिलिए— Change the words given below into vocative case as perexample.)  यथा—चंद्रः — चन्द्र!  (क) शिष्यः — चत्रः!  (ख) गोपालः — च्या—चित्रः — च्या—चित्रः — खालां — — — — — — — — — — — — — — — — — — —					
(ড়) वंद्रस्य सिवार्गियानम् कथम् अस्ति?  (क) चंद्रस्य सिवार्गियानम् कथम् अस्ति?  (क) पंद्रस्य सिवार्गियानम् कथम् अस्ति?  (अ) गीलाकाशः विषद्गः अर्दितः  (ग) मानुलचंद्रः स्मेरं न किरसि।  (क) पंद्रस्य सिवार्गियानम् तारकखीन्तम् अस्ति।  (क) चंद्रस्य सिवार्गियानम् तारकखीन्तम् अस्ति।  (एनः 5. उताहरणानुसारं निम्निलखित पदानि सम्बोधने परिवर्त्तम् — (उताहरणानुसार निम्निलखित पदानि सम्बोधने परिवर्त्तम् — को सम्बोधन में बदलिए— Change the words given below into vocative case as pe example.)  वया—चन्द्रः — चन्द्र!  (क) शिष्यः — (ख) गोणलः — — — — — — — — — — — — — — — — — — —		The second of th			
प्रतरम् (क) अस्मिन् पाठे चंद्र: मातुलः। (ख) नीलाकाशः विस्तुतः अस्ति। (ग) मातुलचंद्रः स्मेरं न किरसि। (य) गीति श्राविष्तुं शिशुः चंद्र कथयति। (उ) चंद्रस्य रितगरिधानम् तारकखिनम् अस्ति। (उ) चंद्रस्य रितगरिधानम् में वर्रालग् — Change the words given below into vocative case as perexample.)  वया—चंद्रः — चन्द्रः। (क) शिष्यः — (ख) गोपालः — च्या—वालिका — वालिके। (क) ग्रियंवदा — स्वे! (क) ग्रीनः — (ख) युस्तकम् — स्वा—साधुः — साधो। (क) मात्रम् — (ख) प्रतुः — साधो। (क) मात्रः — चंद्रः। (क) मृतिः — (ख) प्रतुः — चंद्रः। (क) मृतिः — साधो। (क) मात्रः — चंद्रः। (क) रिवा — जित्रः। (व) प्रतुः — चंद्रः। (व) मातिनी — उत्तरम् — चंद्रः। (क) मित्रः। (ख) गोपालः। (क) ग्रियंवदेः। (ख) लते। (क) मित्रः। (ख) प्रशोः — साधो। (क) मात्रः — उपयुक्तनाम् अख्ययपवानां प्रयोगेण रिक्तस्थानि पृरयत् — (मञ्जूण से उपयुक्तः) (व) प्रणः 6. सञ्जूषाः उपयुक्तनाम् अख्ययपवानां प्रयोगेण रिक्तस्थानि पृरयत् — (मञ्जूण से उपयुक्तः)  क्रवः कद्र कुत्र कथं किम् (क) जाननाथपुरी अस्ति? (ख) त्वं स्वास्थ्यं अस्ति? (ख) त्वं स्वास्थ्यं अस्ति? (ভ) वर्षाकाले मयुराः — कुर्वति? उत्तरमम् (क) कुत्र (ख) कवा (ग) कृतः (ख) कथम् (ङ) किम्। प्रपनः 7. तत्तमभग्रव्यान् विख्वत — (तत्सम शब्द लिखिए— Write these words as they are i Sanskrit.) मामा मोर					
(ख) नीलाकाशः विस्तृतः अस्ति।  (ग) मातुलबंदः श्लेरं न किरवि।  (ख) जीति ब्राविषयुं शिशुः चंद्र कथयति।  (ख) चंद्रस्य विस्तर्गरधानम् तारकखिनम् अस्ति।  क्षत्रः अंद्रस्य विस्तर्गरधानम् तारकखिनम् अस्ति।  क्षत्रः 5. उदाहरणानुसारं निम्निलिखित पदानि सम्बोधने परिवर्तयन (उदाहरणानुसारं निम्निलिखित पदानि सम्बोधने परिवर्तयन (उदाहरणानुसारं निम्निलिखित पदानि सम्बोधने परिवर्तयन (उदाहरणानुसारं निम्निलिखित पदानि सम्बोधने परिवर्तयन (ख) गोपालः - क्षत्राम्वान्त्रः - चन्द्र!  (ख) शिष्यः - चन्द्र!  (ख) गोपालः - च्यान्त्रः - चन्द्र!  (ख) लाती - Learn CBSE.in  (क) प्रित्रम् - स्विः (ख) किंवः - स्वान्त्रः - स्वान्तः		No. of the last of			
(ग) मानुलाचंद्र: स्नेह न किरसि। (घ) गोति आविष्यु शिष्णु: चंद्र कथयति। (इ) चंद्रस्य सितपरिधानम् तारुकखितम् अस्ति।  प्रम: 5, उद्याहरणानुसारं निम्निलिखित यदानि सम्बोधने परिवर्तयत— (उदाहरणानुसार निम्निलिखित परिकारम् मं वर्दिलए— Change the words given below into vocative case as perexample.)  यथा—चन्द्र: — चन्द्र! (क) शिष्ण: — चित्रे। (क) ग्रियंवदा — सित्रे। (क) ग्रियंवदा — सित्रे। (क) ग्रियंवदा — सित्रे। (क) ग्रियंवदा — स्विः — स्वाः — स्वाः — स्वाः — स्वाः — स्वाः — स्वः वः वः वः — स्वः वः व					
(च) गीति श्राविषतुं शिशुः चंद्र कथयति।  (क) चंद्रस्य सितपरिधानम् तारकखिनतम् अस्ति।  प्रश्नः 5. उद्याहरणानुसारं निम्मलिखित पर्वान सम्बोधने परिवर्तयन (उदाहरणानुसार निम्मलिखित पर के सम्बोधन में बदलिए — Change the words given below into vocative case as peexample.)  यथा — चन्द्रः — चन्द्रः!  (क) शिष्यः — चन्द्रः!  (क) प्रियंवरा — खिलके!  (क) प्रियंवरा — खिलके!  (क) प्रियंवरा — खिलके!  (क) प्रियंवरा — खिलके!  (क) मृतिः — खे!  (क) प्रशुः — मित्रः  यथा—साधुः — साधौ।  (क) भानुः — खि प्रशुः — उत्तरम्  यथा—नदी — निदः!  (क) देवी — (ख) मानिनी — उत्तरम्  उत्तरम् — (क) शिष्यः! (ख) गोणला (क) प्रियंवरे! (ख) कते!  (ग) मानो! (ख) प्रशोः (क) रेविः! (ख) मानिनीः)  प्रश्नः 6. मञ्जूषतः उपयुक्तानाम् आव्ययपवानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरवतः (पञ्जूषा से उपयुः अव्ययपर्वो का प्रयोग करके दिवत स्थान परिए — Fill in the blanks by using appropriatindeclinables from the box.)  कृतः करा कुत्र कथं किम्  (क) जगनाथपुरी अदित?  (ख) त्वां स्थास्यः अस्ति?  (ख) त्वां प्रयाद्याः अस्ति?  (ख) क्वंति?  उत्तरमम् (क) कुत्र (ख) कर्वा (ग) कुतः (ध) कथम् (ङ) किम्।  प्रश्नः 7. तत्ममशब्दान् लिखतः — (तत्मम शब्द लिखिए— Write these words as they are i Sanskrit.)  मामा  भोर  ताय कोयल					
(क्) चंद्रस्य सितपरिधानम् तात्कखचितम् अस्ति।  शनः 5, उबाहरणानुसारं निम्निलिखित यदानि सम्बोधने परिवर्तयत — (उदाहरणानुसार निम्निलिखित पर को सम्बोधने परिवर्तयत — (उदाहरणानुसार निम्निलिखित पर को सम्बोधने में वर्दिलए — Change the words given below into vocative case as per example.)  यथा — चंद्रः — चंद्रः! (क) शिष्यः — खंदों (ख) गोपालः — खंदों — खंदों — स्वान्वलंकः — बालिके। (क) प्रियंवदा — खंदों — खंदों — स्वार्णा —					
प्रश्नः 5. उदाहरणानुसारं निम्निलिखित पवानि सम्बोधने परिवर्तवन (उदाहरणानुसारं निम्निलिखित पद को सम्बोधन में बदिलए — Change the words given below into vocative case as per example.)  प्रथा — चन्द्रः — चन्द्रः!  (क) शिष्यः — चन्द्रः!  (क) शिष्यः — बिलिके!  (क) प्रियंवदा — कल! LearnCBSE.in  ———————————————————————————————————				अस्ति।	
को सम्बोधन में बरलिए - Change the words given below into vocative case as perexample.)  यथा - चन्द्र: - चन्द्र!  (क) शिष्यः -					उदाहरणानुसार निम्नलिखित पद
सथा-चन्द्र: - चन्द्र! (क) शिष्यः - स्था-बालिकः! (क) प्रियंवदा - सिव्या - स					•
(क) शिष्यः — व्यक्तिः।  सथा—वालिका — वालिके।  (क) प्रियंवरा — एल! LearnCBSE.in  (क) मित्रम् — एल! LearnCBSE.in  (क) मित्रम् — एवं!  (क) प्रुनिः — एवं!  (क) पुनिः — एवं!  (क) प्रुनिः — साधे!  (क) भातः — प्रवः — साधे!  (क) भातः — पर्वः — साधे!  (क) भातः — निदः!  (क) देवी — एवं! (ख) मानिनी — उत्तरम् — लिखं — पर्याः  उत्तरम् — (क) शिष्यः! (ख) गोपालः! (क) प्रियंवदे! (ख) लते।  (क) मित्रः! (ख) प्रतकः! (क) रवे! (ख) कवे!  (ग) भानो! (ख) प्रशः क) देविः (ख) मानिनिः।  प्रप्रनः 6. मञ्जूषातः उपयुक्तानाम् अव्ययपवानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरवत— (मञ्जूषा से उपयु-अव्ययपर्वे का प्रयोग करके रिक्त स्थान परिए— Fill in the blanks by using appropriati indeclinables from the box.)  क्रितः करा कृत्र कर्थ किम्  (क) जगनाथपुरी अस्ति?  (ख) त्वं पर्योग अस्ति?  (ख) त्वं पर्योग प्रवहि?  (ख) त्वं स्वास्थ्यं अस्ति?  (ङ) वर्षाकाले मयूराः — कुर्वितः?  उत्तरम्— (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुतः (घ) कथम् (ङ) किम्।  प्रप्रनः 7. तत्समशब्दान् लिखत— (तत्सम शब्द लिखिए— Write these words as they are in Sanskrit.)  मामा  मोर तारा कोयल कब्त्तर		example.)			
स्था — बालिके।  स्था — बालिके।  (क) प्रियंवदा — पल। LearnCBSE.in  स्था — फल। — प्ला प्रतिक्षम् — प्राप्तिकम् — प्राप्तिकः मानुः — साधो।  (क) मानुः — साधो।  (क) मानुः — प्राप्तिः (ख) मानिनी — प्राप्तिः (क) हिम् (ख) कवे।  (क) मित्रः (ख) गोपालः (क) प्रियंवदे। (ख) कवे।  (क) मित्रः (ख) प्रस्तिः (क) रवेवः (ख) कवे।  (ग) मानोः (ख) प्रशाः (क) देवः (ख) मानिनिः प्रम्पतिः (क) मानिनिः प्रम्पतिः (क) प्राप्तिः (क) प्राप्तिः (क) प्राप्तिः (क) प्राप्तिः (ख) कवे।  (ग) मानोः (ख) प्रशाः (क) देवः (ख) मानिनिः प्रम्पतिः (मञ्जूषा से उपयुक्त अध्ययपदानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूर्यति (मञ्जूषा से उपयुक्त अध्ययपदाने परिप् — Fill in the blanks by using appropriati indeclinables from the box.)  कितः कदा कृत्र कर्थः किम्  (क) जगनाथपुरी अस्तिः (ख) क्वितः (ग) यहितः (ध) कथम् (ङ) किम्।  प्रमः 7. तत्समशब्दान् लिखत — (तत्सम शब्द लिखिप् — Write these words as they are i Sanskrit.)  मामा  मोर तारा कोयल कब्द्रार	1	वथा-चन्द्रः – च	बन्द्र!		
स्था - फल! LearnCBSE.in  (क) मित्रम् - फल! LearnCBSE.in  (क) मित्रम् - खे!  (क) पुनिः - खे!  (क) पुनिः - खे!  (क) पुनिः - साधे!  (क) पुनिः - साधे!  (क) पुनिः - निद!  (क) देवी - (ख) पुनिः - खे! खो पुनिः - ख्या - निद!  (क) देवी - (ख) पुनिः - खे! खो पुनिः - जिद!  (क) देवी - (ख) मानिनी - जित्द!  (क) प्रिष्य! (खो गोपाल! (क) प्रियंवदे! (खो लते।  (क) मित्र! (खो पुनिः (क) देवि! (खो कवे।  (ग) भानो! (खो पुनिः (क) देवि! (खो मानिनिः)  प्रपनः 6. मञ्जूषातः उपयुक्तानाम् अव्यययवानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूर्यत- (मञ्जूषा से उपयुक्त अव्ययपर्वो का प्रयोग करके रिक्त स्थान भिरिए- Fill in the blanks by using appropriat indeclinables from the box.)  जितः कदा कुत्र कथं किम्  (क) जगनाथपुरी अस्ति?  (ख) त्वं पुनिं गमिष्यिति?  (ग) गङ्गानदी पुरिखत- (जित्सम श्रव्य लिखिए- Write these words as they are i Sanskrit.)  मामा  मोर तारा कोयल कब्तुतर	ì	(क) शिष्य: – "		(ख) गोपाल:	
स्था - फलम् - फल! LearnCBSE.in  (क) मित्रम् - (ख) पुरतकम् - स्था - प्रथा - रिवः!  (क) मुनः - (ख) फ्राक् स्थः!  (क) मुनः - साधः!!  (क) भानः - (ख) फ्राः - साधः!!  (क) भानः - साधः!!  (क) भानः - (ख) फ्राः - साधः!  (क) भानः - साधः!!  (क) देवी - (ख) मानिनी - (ख) कवेः  (क) मित्रः! (ख) गोपालः! (क) प्रियंवदे! (ख) लते।  (क) मित्रः! (ख) पुरतकः! (क) रवेः! (ख) कवेः  (ग) भानः! (ख) पुरतकः! (क) देवः! (ख) मानिनः  प्रथा - कर्वः वितः अध्ययस्वानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरवत - (मञ्जूषा से उपयुक्त अध्ययपर्वो का प्रयोग करके दिन्त स्थान भरिए - Fill in the blanks by using appropriati indeclinables from the box.)  कितः करा कृत्र कर्थः किम्  (क) जगन्नाथपुरी अस्ति?  (ख) ल्वं पुरीं गमिष्यवित?  (ग) गङ्गानदी अस्ति?  (ख) तव स्वास्थ्यं अस्ति?  (ख) तव स्वास्थ्यं अस्ति?  (इ) वर्षाकाले मयूराः कुर्वितः?  उत्तरसम् (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कृतः (ध) कथम् (ङ) किम्।  प्रथा - तत्समशब्दान् लिखत - (तत्सम शब्द लिखिए - Write these words as they are i Sanskrit.)  मामा  मोर तारा कोयल केव्रतः स्वारा स्वार	1				
सथा-फलम् - फलाः LearnCBSE.in (क) मित्रम् - (ख) पुस्तकम् -  सथा-रिवः - रवे! (क) मुनिः - (ख) कविः -  सथा-साधुः - साधो! (क) भानुः - (ख) पशुः -  सथा-नरी - निदः! (क) देवी - (ख) मानिनी - (ख) लते। (क) मित्रः! (ख) ग्रेपालः! (क) प्रसंवदे! (ख) लते। (क) मित्रः! (ख) पुस्तकः! (क) रवे! (ख) कवे! (ग) भानो! (ख) पुस्तकः! (क) रवे! (ख) कवे! (ग) भानो! (ख) पुशोः (क) देवि! (ख) मानिनि! प्रप्रनः 6. मञ्जूषातः उपयुक्तानाम् अव्ययपवानां प्रयोगेण रिक्तस्थानािन पुर्यत- (मञ्जूषा से उपयुक्त अव्ययपदों का प्रयोग करके रिकत स्थान भिरिए- Fill in the blanks by using appropriatindeclinables from the box.)  कुतः करा कुत्र कथं किम् (क) जगन्नाथपुरी अस्ति? (ख) त्वं पुरां गमिष्यसि? (ग) गङ्गानदी प्रयहित? (ख) तव स्वास्थ्यं प्रयहित? (ख) तवं स्थान्याः कुर्वन्ति? उत्तरम्-(क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुतः (ध) कथम् (ङ) किम्। प्रप्रनः 7. तत्समशब्दान् लिखत (तत्सम शब्द लिखिए- Write these words as they are in Sanskrit.) मामा मोर तारा कोयल केब्रुतर	1	(क) प्रियंवदा "			_ '
सथा-फलम् - फलाः LearnCBSE.in (क) मित्रम् - (ख) पुस्तकम् -  सथा-रिवः - रवे! (क) मुनिः - (ख) कविः -  सथा-साधुः - साधो! (क) भानुः - (ख) पशुः -  सथा-नरी - निदः! (क) देवी - (ख) मानिनी - (ख) लते। (क) मित्रः! (ख) ग्रेपालः! (क) प्रसंवदे! (ख) लते। (क) मित्रः! (ख) पुस्तकः! (क) रवे! (ख) कवे! (ग) भानो! (ख) पुस्तकः! (क) रवे! (ख) कवे! (ग) भानो! (ख) पुशोः (क) देवि! (ख) मानिनि! प्रप्रनः 6. मञ्जूषातः उपयुक्तानाम् अव्ययपवानां प्रयोगेण रिक्तस्थानािन पुर्यत- (मञ्जूषा से उपयुक्त अव्ययपदों का प्रयोग करके रिकत स्थान भिरिए- Fill in the blanks by using appropriatindeclinables from the box.)  कुतः करा कुत्र कथं किम् (क) जगन्नाथपुरी अस्ति? (ख) त्वं पुरां गमिष्यसि? (ग) गङ्गानदी प्रयहित? (ख) तव स्वास्थ्यं प्रयहित? (ख) तवं स्थान्याः कुर्वन्ति? उत्तरम्-(क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुतः (ध) कथम् (ङ) किम्। प्रप्रनः 7. तत्समशब्दान् लिखत (तत्सम शब्द लिखिए- Write these words as they are in Sanskrit.) मामा मोर तारा कोयल केब्रुतर			L	<u>earnCBSE</u>	in मातुलचन्द्रः!!
(क) पुनि: - (ख) कवि: - (ख) पशु: - साधो! (क) भानु: - निद! (क) देवी - निद! (क) देवी - (ख) मानिनी - जिस्मानिन! (क) मित्रा (ख) पुरातक! (क) प्रियंवदे! (ख) लते। (क) मित्रा (ख) पुस्तक! (क) रवें। (ख) कवे। (ग) भानो! (ख) पुस्तक! (क) देवें। (ख) मानिनि। प्रप्रन: 6. मञ्जूषात: उपयुक्तानाम् अळ्यपतानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरयत- (मञ्जूषा से उपयु-अञ्चयपर्यो का प्रयोग करके रिका स्थान मिरिए- Fill in the blanks by using appropriat indeclinables from the box.)  कुतः कदा कुत्र कर्थ किम् (क) जगन्नाथपुरी अस्ति? (ख) त्वं पुनिं गमिष्यिस? (ग) गङ्गानदी पुरया: कुर्वित? (ख) त्वं स्वास्थ्यं अस्ति? (इ) वर्षाकाले मयूरा: कुर्वित? उत्तरम्- (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुतः (घ) कथम् (ङ) किम्। प्रप्रन: 7. तत्समशब्दान् लिखत (तत्सम शब्द लिखिए- Write these words as they are is Sanskrit.) मामा मोर तारा कोयल		100		(ख) पुस्तकम्	-
यथा—साधु: — साधी! (क) भानु: — (ख) पशु: —  यथा—नदी — निद! (क) देवी — (ख) मानिनी —  उत्तरम्— (क) शिष्टा! (ख) गोपाल! (क) प्रियंवदे! (ख) लते। (क) मित्रा (ख) पुस्तक: (क) रवे! (ख) कवे। (ग) भानो! (ख) पुस्तक: (क) देवे! (ख) मानिनि!  प्रश्न: 6. मञ्जूषात: उपयुक्तानाम् अव्ययपवानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरयत— (मञ्जूषा से उपयुः अव्ययपर्यों को प्रयोग करके रिका स्थान भरिए— Fill in the blanks by using appropriat indeclinables from the box.)  कुत: कदा कुत्र कथं किम् (क) जगन्नाथपुरी अस्ति? (ख) त्वं पुणे गमिष्यसि? (ग) गङ्गानदी पुरंयः अस्ति? (ख) त्वं पुणे गमिष्यसि? (ग) गङ्गानदी पुरंयः अस्ति? (ख) त्वं प्वकाले मयूराः अस्ति? (ङ) वर्षाकाले मयूराः वुवंति?  उत्तरम्— (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुतः (घ) कथम् (ङ) किम्।  प्रश्न: 7. तत्समशब्दान् लिखत— (तत्सम शब्द लिखिए— Write these words as they are i Sanskrit.)  मामा  मोर तारा कोयल कोयल				(ख) कवि:	
प्रथा - नदी - निद!  (क) देवी - """ (ख) मानिनी - """  उत्तरम् (क) फिष्य! (ख) गोपाल! (क) प्रियंवदे! (ख) लते। (क) मित्र! (ख) पुस्तक! (क) रवे! (ख) कवे! (ग) भानो! (ख) पुश्तो! (क) देवि! (ख) मानिनी!  प्रथन: 6. मञ्जूषात: उपयुक्तानाम् अव्ययपदानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूर्यत (मञ्जूषा से उपयुक्त अव्ययपदों को प्रयोग करके दिनत स्थान भरिए- Fill in the blanks by using appropriat indeclinables from the box.)  कुत: करा कुत्र कर्थ किम् (क) जगनाथपुरी अस्ति? (ख) ल्वं """ पुरीं गमिष्यति? (ग) गङ्गानदी पुराः कुर्विति? (घ) तव स्वास्थ्यं """ अस्ति? (इ) वर्षाकाले मयूरा: कुर्विति?  उत्तरमम् (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुत: (घ) कथम् (ङ) किम्।  प्रथन: 7. तत्समशब्दान् लिखत (तत्सम शब्द लिखिए- Write these words as they are i Sanskrit.)  मामा  मोर  तारा कोयल  केव्रुतर		यथा-साधुः –	साधो!		
(क) देवी — (ख) मानिनी —		(क) भानुः –		(ख) पशुः	
उत्तरम् (क) शिष्यः (ख) गोपालः (क) प्रियंवदेः (ख) लते। (क) मित्रः (ख) पुस्तकः (क) रवेः (ख) कवे। (ग) भागोः (ख) पुस्तकः (क) रवेः (ख) मानिनः  प्रश्नः 6. मञ्जूषातः उपयुक्तानाम् अव्ययपदानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूर्यत- (मञ्जूषा से उपयु- अव्ययपदों का प्रयोग करके रिक्त स्थान भिरए- Fill in the blanks by using appropriat indeclinables from the box.)  कुतः कदा कुत्र कर्थ किम् (क) जगनाथपुरी अस्ति? (ख) लं पूरीं गमिष्यति? (ग) गङ्गानदी प्रयुक्ति? (घ) तव स्वास्थ्यं अस्ति? (इ) वर्षांकाले मयूराः कृतंति? उत्तरम्-(क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुतः (घ) कथम् (ङ) किम्।  प्रश्नः 7. तत्समशब्दान् लिखत- (तत्सम शब्द लिखिए- Write these words as they are is Sanskrit.)  मामा  मोर तारा कोयल केवृतर		यथा-नदी -	नदि!		
(क) मित्र! (ख) पुस्तक! (क) रवे! (ख) कवे! (ग) भानो! (ख) पशो! (क) रेवि! (ख) मानिन!  प्रश्न: 6. मञ्जूषात: उपयुक्तनानाम् अव्ययपदानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरयत— (मञ्जूषा से उपयुक्त अव्ययपदों को प्रयोग करके दिन्त स्थान भरिए— Fill in the blanks by using appropriati indeclinables from the box.)  कुत: करा कुत्र कर्थ किम् (क) जगनाथपुरी "अस्ति? (ख) त्वं "पुरीं गमिष्यवि? (ग) गङ्गानदी "प्रवहि? (घ) तव स्वास्थ्यं "अस्ति? (इ) वर्षाकाले मयूरा: कुर्वित? उत्तरम्— (क) कुत्र (ख) करा (ग) कुतः (घ) कथम् (ङ) किम्।  प्रश्न: 7. तत्समशब्दान् लिखत— (तत्सम शब्द लिखिए— Write these words as they are i Sanskrit.)  मामा  मोर  तारा  कोयल  कोयल  केवृतर		(क) देवी –		(ख) मानिनी	
(ग) भानो! (ख) पशो! (क) देवि! (ख) मानिनि! प्रश्न: 6. मञ्जूषात: उपयुक्तानाम् अव्ययपदानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरयत- (मञ्जूषा से उपयुक्तानाम् अव्ययपदानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरयत- (मञ्जूषा से उपयुक्तानाम् अव्ययपदानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरयत- (मञ्जूषा से उपयुक्तानाम भिर्मेष्ट किस् प्रयोगेण रिक्तस्थानि पूरयत- (मञ्जूषा से उपयुक्तानाम भिर्मेष्ट किस् प्रयोगेण रिक्तस्थानिक प्रयोगिक प	उत्तरम्-			3 20	(ख) लते।
प्रश्नः 6. मञ्जूषातः उपयुक्तानाम् अव्ययपदानां प्रयोगेण रिक्तस्थानानि पूरवत- (मञ्जूषा से उपयुक्त अव्ययपदां का प्रयोग करके दिन्त स्थान भरिए- Fill in the blanks by using appropriati indeclinables from the box.)  कुतः करा कुत्र कथं किम्  (क) जगनाथपुरी अस्ति? (ख) त्वं अपनाथपुरी प्रवहति? (घ) तव स्वास्थ्यं अस्ति? (इ) वर्षांकाले मयूराः कुर्वन्ति? (उ) वर्षांकाले मयूराः कुर्वन्ति? उत्तरम्- (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुतः (घ) कथम् (ङ) किम्। प्रश्नः 7. तत्समशब्दान् तिख्वत- (तत्सम शब्द तिखिए- Write these words as they are in Sanskrit.)  मामा  मोर तारा कोयल केबृतर			~ .	0 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1	
अव्ययपर्यों का प्रयोग करके रिक्त स्थान भरिए - Fill in the blanks by using appropriate indeclinables from the box.)  कुत: कदा कुत्र कर्थ किम्  (क) जगनाथपुरी		50 St 50000			
indeclinables from the box.)  कुत: कदा कुत्र कथं किम्  (क) जगनाथपुरी	प्रश्नः 6.	भञ्जूषातः उपयुक्तानाम् अ	ाव्ययपदानां प्र सिन्न स्था⊐ श	योगेण रिक्तस्थानानि	' पूरवत- (मञ्जूषा से उपयुव
कुत: करा कुत्र कर्थ किम्  (क) जगनाथपुरी				rii ii the bi	anks by using appropriat
(क) जगनाथपुरी अस्ति? (ख) त्वं प्यानाथपुरी पृरीं गमिष्यसि? (ग) गङ्गानदी प्यानाथपुरी प्रवहति? (घ) तव स्वास्थ्यं अस्ति? (ङ) वर्षाकाले मयूरा: कुर्वन्ति? (ङ) वर्षाकाले मयूरा: कुर्वन्ति? उत्तरम् (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुत: (घ) कथम् (ङ) किम्। प्रश्न: 7. तत्समशब्दान् लिखत (तत्सम शब्द लिखिए— Write these words as they are is Sankrit.) मामा मोर तारा कोयल केब्रुतर	F			किम	
(ख) त्वं	L				
(ग) गङ्गानदी प्रवहति? (घ) तव स्वास्थ्यं प्रवहति? (ङ) वर्षाकाले मयूरा: कुर्वितः? उत्तरम् (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुतः (घ) कथम् (ङ) किम्। प्रश्नः 7. तत्समशब्दान् लिखत (तत्सम शब्द लिखिए Write these words as they are i Sanskrit.) मामा मोर तारा कोयल कोयल कब्तर					
(घ) तब स्वास्थ्यं """ अस्ति? (ङ) वर्षाकाले मयूरा: " कुर्वन्ति? उत्तरम् – (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुत: (घ) कथम् (ङ) किम्। प्रश्न: 7. तत्समशब्दान् लिखान – (तत्सम शब्द लिखिए – Write these words as they are i Sanskrit.) मामा मोर तार्य कोयल कोयल कब्तुतर					
(ङ) वर्षाकाले मयूरा:					
उत्तरम् – (क) कुत्र (ख) कदा (ग) कुत: (घ) कथम् (ङ) किम्। प्रश्नः 7. तत्समशब्दान् लिखत – (तत्सम शब्द लिखिए – Write these words as they are i Sanskrit.) मामा मोर तारा कोयल कबूतर					
प्रश्नः 7. तत्समशब्दान् लिखत – (तत्सम शब्द लिखिए – Write these words as they are i Sanskrit.) मामा मोर तारा कोयल कबुत्					
Sanskrit.) मामा मोर तारा कोयल कब्दार					
मामा मोर तारा कोयल कब्दार			तत्सम शब्द	लेखिए– Write th	ese words as they are in
मोर तारा कोयल कबूतर			••		
तारा कोयल कबूतर		2020			
कोयल कबूतर		मोर			
उत्तरम्– (क) मातुलः (ख) मयूरः (ग) तारकम् (घ) कोकिलः (ङ) कपोतः।		तारा			
		तारा कोयल			

# बहुविवन्दिक्का GBSE.in

- W-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-1-	
(1) उचितेन विकल्पस्य प्रयोगे वाक्यपूर्ति कुरुत। (उचित विकल	
Complete the sentences by using the correct option	
(क) (i) कथमायासि न भो! मम।	(स्नेहम्, गेहम्, मातुलम्)
(ii) त्वरितमेहि मां श्रावय।	(नीतिम्, प्रीतिम्, गीतिम्)
(iii) नैव दृश्यते क्वचिद् ''''''''' । ((iv) '''''' तव चंद्रिकावितानम्। (तारकखि	
( v ) मातुल। किरसि """ न स्नेहम्?	(किम्, मम, कथम्)
उत्तरम् – (i) गेहम्, (ii) गीतिम्, (iii) अवकाशः, (iv) धवलम्	
	मेष्यति, गमिष्यन्ति, गमिष्यसि)
(ii) किं त्वं """ उपहारं दास्यसि?	(माम्, मम्, मह्मम्)
(iii) कुत: आगच्छिस। (म	गातुलचंद्रः, मातुलः, मातुलचंद्र)
(iv) ! वर्धय में प्रीतिम्।(प्रिय मातुल	
	मेष्यसि, गमिष्यति, गमिष्यामि)
उत्तरम् – (i) गमिष्यसि, (ii) मह्यम्, (iii) मातुलचंद्र, (iv) प्रिग्	
(2) उचितं विकल्पं चित्वा प्रश्नान् उत्तरत- (उचित विकल्प चु Pick out the correct option and answer the question	
(i) अस्मिन् बालगीते मातुलः कः अस्ति?	(सूर्य:, चंद्र:, बालक:)
	, चॅद्रिकावितानम्, मातुलचंद्रम्)
(iii) नीलाकाशः कीदृशः वर्तते।	(विस्तृतः, धवलः, प्रियः)
(iv) सितपरिधानम् कथं खचितम्?	(स्नेहेन, चंद्रिकया, तारकैः)
(v) मातुलचंद्र: कुत्र न आयाति/आगच्छति।	(गेहम्, आकाशम्, स्नेहम्)
<b>उत्तरम्</b> - (i) अस्मिन् बालगीते चंद्र: मातुल: वर्तते।	
(ii) बालक: मातुलचंद्र संबोधयति।	
(iii) नीलाकाशः विस्तृतः वर्तते।	
(iv) सितपरिधानम् तारकैः खचितम्।	
(v) मातुलचंद्रः गेहम् न आयाति।	
,	
🏿 संस्कृत-vı LearnCBSE	.ın
S <b>PALASTON</b> RSE	in
अतिरिध्वक्शम्याप्रि	
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूरवत। (मञ्जूषा की	
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूरवता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)	
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूरवता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.) दास्यसि, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूरवता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यसि, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः:  (1) त्वरितमेहि मां	सहायता से रिक्त स्थान भरिए। आगच्छिस मातुलचंद्र?
(1) मञ्जूषाया: सहायतया रिक्तस्थानानि पूरवता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  [दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुत:  (i) त्वरितमेहि मां	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूरवता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यसि, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः:  (1) त्वरितमेहि मां	सहायता से रिक्त स्थान भरिए। आगच्छिस मातुलचंद्र? ! किरसि कथं न स्नेहम्?
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानािन पूरवता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कृतः:  (i) त्वीतमेहि मां आवय। (ii) (ii) (iii) गीमध्यसि मातुलचंद्र? (iv) (iv) महाम् मातुलचंद्र? (str) महाम् मातुलचंद्र? (str) महाम् मातुलचंद्र? (str) महाम् (v) महाम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पदं जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पदं जित्वा रिक्तस्थाने लिखत।	सहायता से रिक्त स्थान भरिए। आगच्छिंस मातुलचंद्र? ! किरसि कथं न स्नेहम्? ) दास्यसि। जूषा से समानार्थक शब्द चुनकर
(1) मञ्जूषाथा: सहायतया रिक्तस्थानानि पूरवता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः:  (i) त्वरितमेहि मां आवय। (ii) (iii) गीमिष्यित मातुलचंद्र? (iv) गीमिष्यित मातुलचंद्र? (sv) महाम् मातुलचंद्र? उत्तरम् (i) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t	सहायता से रिक्त स्थान भरिए। आगच्छिंस मातुलचंद्र? ! किरसि कथं न स्नेहम्? ) दास्यसि। जूषा से समानार्थक शब्द चुनकर
(1) मञ्जूषाया: सहायतया रिक्तस्थानानि पूप्यता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुत:  (i) लितिमेहि मां श्रावय। (ii) (ii) गीमिष्यित मातुलचंद? (iv) (v) महाम् गातुलचंद? (iv) मातुलचंद?  उत्तरम्—(i) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जिल्ला रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः स्थान में लिखिए। Pick out the word havi write down in the blank space.)  [लितिम्, आयासि, एहि, आकाशः, प्रीतिम्, गैहम्	सहायता से रिक्त स्थान भरिए। आगच्छिस मातुलचंद्र? ! किरसि कथं न स्नेहम्? ;) दास्यिस। जूषा से समानार्थंक शब्द चुनकर ng similar meanings and
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूरवता (मञ्जूषा को Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः:  (i) त्वरितमेहि मां """ श्रावय। (ii) """ गिंग्यित मातुलचंद? (iv) """ ।।  (v) मह्मम् "" मातुलचंद?  उत्तरम् (i) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पदं जिल्ला रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पदं जिल्ला। प्राप्त प्राप्त समानार्थकं पदं जिल्ला। प्राप्त प्राप्त समानार्थकं पदं जिल्ला। प्राप्त समानार्थकं पदं जिल्ला समानार्थकं पदं जिल्ला। प्राप्त समानार्थकं पदं जिल्ला। प्राप्त समानार्थकं पदं जिल्ला। प्राप्त समानार्थकं पदं जिल्ला। प्राप्त समानार्थकं पदं जिल्ला समानार्थकं पदं जिल्ला। प्राप्त समानार्थकं पदं जिल्ला समानार्थकं पदं जिल्ला समानार्थकं प्राप्त समानार्थकं समानार्थकं पदं जिल्ला समानार्थकं समानार्थकं समानार्थकं समानार्थकं पदं जिल्ला समानार्थकं समान्य समान्य समान्य समानार्थकं समान्य समानार्थकं समानार्थकं समानार्थकं समानार्थकं समानार्थकं समानार्थकं समान्य समान्य समानार्थकं समानार्थकं समानार्थकं समानार्थकं समान्य समानार्थकं समानार्थकं समानार्थकं समानार्थकं समान्य	सहायता से रिक्त स्थान भरिए। आगच्छिंस मातुलचंद्र? ! किरसि कथं न स्नेहम्? ) दास्यसि। जूषा से समानार्थक शब्द चुनकर
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानािन पूचता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) त्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (iii) गीमण्यित मातुलचंद? (iv) (v) महाम् मातुलचंद? (iv) मातुल (t) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं रिक्तस्थाने लिखते रिक्तस्थाने लिखते रिक्तस्थाने लिखते रिक्तस्थाने रिक्तस्थाने लिखते रिक्तस्थाने लिखते रिक्तस्थाने लिखते रिक्तस्थाने लिखते रिक्तस्थाने रिक्तस्थाने रिक्तस्थाने रिक्सस्थाने रिक्तस्थाने रिक्तस्थ	सहायता से रिक्त स्थान भरिए। आगच्छिंस मातुलचंद्र? ! किरसि कथं न स्नेहम्? )) दास्यिस। जूषा से समानार्थंक शब्द चुनकर ng similar meanings and (iii) गगनम्
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानािन पूचता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यितं, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) त्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (ii) गीमण्यित मातुलचंद? (iv) (v) महाम् मातुलचंद? (iv) मातुल (t) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः स्थान में लिखिए। Pick out the word havi write down in the blank space.)  [त्वरितम्, आयासि, एहि, आकाशः, प्रीतिम्, गेहम् (i) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) व्यरितम्, (star) निर्वरतम्, (star) व्यरितम्, (star) व्यरितम् (star) व्यर्थे व्यर्थे विवर्षः (star) व्यर्थे विवर्षः (star) व्यर्थे (star) व्यर्थे (star) विवर्षः (star) (sta	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छींस मातुलचंद्र? ! किरीस कथं न स्नेहम्?  ) दास्यींस।  जूषा से समानार्थंक शब्द चुनकर  ng similar meanings and  (iii) गगनम्  (vi) स्नेहम् (vi) ग्रीतम्।
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानािन पूचता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) त्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (ii) (ii) गीमण्यित मातुलचंद? (iv) (v) महाम् मातुलचंद? (iv) मातुल (t) नितम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रोहम् परितम् विस्तम् (i) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) महम्म उत्तरम् (i) आयार्ति, (ii) एहि, (iii) आकाशः, (iv) त्वरितम् (3) थिननप्रकृतिकम् पर्व जिन्ता। रिन्न प्रकृति वाला पर चुनिए।	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छीस मातुलचंद्र? ! किरीस कथं न स्नेहम्?  ) दास्यीस।  जूषा से समानार्थंक शब्द चुनकर  ng similar meanings and  (iii) गगनम्  (vi) स्नेहम् (vi) ग्रीतम्।
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानािन पूप्यता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) व्यतिमिहि मां श्रावय। (ii) (iii) गीमिष्यित मातुलचंद्र? (iv) गीमिष्यित मातुलचंद्र? उत्तरम्—(i) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पदं जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषानः स्थानो रिक्त स्थान में लिखिए। Pick out the word havi write down in the blank space.)  व्यतिम्, आयाप्ति, एहि, आकाशः, प्रीतिम्, गेहम् (i) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) गुन्यस् उत्तरम्—(i) आयाप्ति, (ii) एहि, (iii) आकाशः, (iv) व्यतिम्, (iv) पिन्न प्रकृतिकम् पदं चिनुत। (भिन्न प्रकृति वाला पद चुनिए। different from the rest.)	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छीस मातुलचंद्र? ! किरीस कथं न स्नेहम्?  ) दास्यीस।  जूषा से समानार्थंक शब्द चुनकर  ng similar meanings and  (iii) गगनम्  (vi) स्नेहम् (vi) ग्रीतम्।
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानािन पूचता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) त्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (ii) (ii) गीमण्यित मातुलचंद? (iv) (v) महाम् मातुलचंद? (iv) मातुल (t) नितम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रोहम् परितम् विस्तम् (i) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) महम्म उत्तरम् (i) आयार्ति, (ii) एहि, (iii) आकाशः, (iv) त्वरितम् (3) थिननप्रकृतिकम् पर्व जिन्ता। रिन्न प्रकृति वाला पर चुनिए।	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छीस मातुलचंद्र? ! किरीस कथं न स्नेहम्?  ) दास्यीस।  जूषा से समानार्थंक शब्द चुनकर  ng similar meanings and  (iii) गगनम्  (vi) स्नेहम् (vi) ग्रीतम्।
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूपवता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यरिं, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) व्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (ii) (iii) गीमण्यरि मातुलचंद? (iv) (v) महाम् पातुलचंद? (iv) मातुल (t) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातम् विकास स्थान में लिखिए। Pick out the word havi write down in the blank space.)  [व्वरितम्, आयारिः, एहि, आकाशः, ग्रीतिम्, गेहम् (i) आगच्छिम् (ii) आगम्ब्यस्थाने (ii) आगम्ब्यस्थाने (ii) आगम्ब्यति (iii) अकाशः, (iv) व्वरितम्, (ii) जात्वारिकः, वालकः, वालकौ, गृहम्। (ii) आगमिष्यति, आनयति, आगच्छति, आगच्छति, आगच्छ। (iii) करा, कः, कुत्रः, कुतः।	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छीस मातुलचंद्र? ! किरीस कथं न स्नेहम्?  ) दास्यीस।  जूषा से समानार्थंक शब्द चुनकर  ng similar meanings and  (iii) गगनम्  (vi) स्नेहम् (vi) ग्रीतम्।
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूचता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुत: (i) त्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (ii) (iii) गीमण्यित मातुलचंद? (iv) (v) महाम् मातुलचंद? (iv) मातुल (t) महाम् मातुलचंद? (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्त्वा रिक्तस्थानं लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्रासा रिक्तस्थानं लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्रासा रिक्तस्थानं लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्रासा रिक्तस्थानं लिखत। (पर्व जातिस्म, आयारिस, पृष्टि, आकाराः, ग्रीतिम्, गेहम् (iv) शायम् (v) गृहम् उत्तरम् (i) आयारिस, (ii) एहि, (iii) आकाराः, (iv) त्वरितम्, (ii) व्यत्तिम् पर्व जिन्तम् पर्व जिन्तम् (ii) मात्रकृति वाला पद चुनिए। (ii) आर्गिकाम् वालकः, वालकः, गृहम्। (ii) आर्गिमण्यति, आन्यति, आम्ब्ब्यति, आगच्छति, आगचचति, आगच्छति, आगच्छति, आगचचिति, आगच्छति, आगचचिति, आगचचिति, आगचचिति, आगचच्यति, आगचचिति, आगचचिति, आगचचिति, आगचचचिति, आगचचचिति, आगचचचिति, आगचचचिति, आगचचचचिति, आगचचचच	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छीस मातुलचंद्र? ! किरीस कथं न स्नेहम्?  ) दास्यीस।  जूषा से समानार्थंक शब्द चुनकर  ng similar meanings and  (iii) गगनम्  (vi) स्नेहम् (vi) ग्रीतम्।
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूपवता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यरिं, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) व्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (ii) (iii) गीमण्यरि मातुलचंद? (iv) (v) महाम् पातुलचंद? (iv) मातुल (t) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातम् विकास स्थान में लिखिए। Pick out the word havi write down in the blank space.)  [व्वरितम्, आयारिः, एहि, आकाशः, ग्रीतिम्, गेहम् (i) आगच्छिम् (ii) आगम्ब्यस्थाने (ii) आगम्ब्यस्थाने (ii) आगम्ब्यति (iii) अकाशः, (iv) व्वरितम्, (ii) जात्वारिकः, वालकः, वालकौ, गृहम्। (ii) आगमिष्यति, आनयति, आगच्छति, आगच्छति, आगच्छ। (iii) करा, कः, कुत्रः, कुतः।	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छीस मातुलचंद्र? ! किरीस कथं न स्नेहम्?  ) दास्यीस।  जूषा से समानार्थंक शब्द चुनकर  ng similar meanings and  (iii) गगनम्  (vi) स्नेहम् (vi) ग्रीतम्।
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूचता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुत: (i) त्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (ii) (iii) गीमण्यित मातुलचंद? (iv) (v) महाम् मातुलचंद? (iv) मातुल (t) महाम् मातुलचंद? (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्त्वा रिक्तस्थानं लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्रासा रिक्तस्थानं लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्रासा रिक्तस्थानं लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्रासा रिक्तस्थानं लिखत। (पर्व जातिस्म, आयारिस, पृष्टि, आकाराः, ग्रीतिम्, गेहम् (iv) शायम् (v) गृहम् उत्तरम् (i) आयारिस, (ii) एहि, (iii) आकाराः, (iv) त्वरितम्, (ii) व्यत्तिम् पर्व जिन्तम् पर्व जिन्तम् (ii) मात्रकृति वाला पद चुनिए। (ii) आर्गिकाम् वालकः, वालकः, गृहम्। (ii) आर्गिमण्यति, आन्यति, आम्ब्ब्यति, आगच्छति, आगचचति, आगच्छति, आगच्छति, आगचचिति, आगच्छति, आगचचिति, आगचचिति, आगचचिति, आगचच्यति, आगचचिति, आगचचिति, आगचचिति, आगचचचिति, आगचचचिति, आगचचचिति, आगचचचिति, आगचचचचिति, आगचचचच	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छिस मातुलचंद्र? ! किरिस कथं न स्नेहम्?  )) दास्यीस।  जूषा से समानार्थंक शब्द चुनकर ng similar meanings and  (iii) गगनम्(oi) स्नेहम्  (vi) स्नेहम्(vi) गोहम्, (vi) ग्रीतम्।  Pick out the word that is
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूचता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) त्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (ii) (iii) गीमण्यित मातुलचंद? (v) महाम् मातुलचंद? उत्तरम्—(i) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः (i) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) आगमच्छितः (ii) गृहम् उत्तरम्—(i) आयासि, (ii) एहि, (iii) अकाशः, (iv) त्वरितम्, (i) व्यर्तिकम् पर्व जिन्तु। (मिन्न प्रकृति वाला पद चुनिए। (ii) आगम्ब्रिका, आनवित, आगच्छित, आगच्छितः आगच्छि। (iii) अत्रतः कः, कुत्रः, वुतः। (ii) जान्त् काः, कुत्रः, वुतः। (iii) कतः, कः, कुत्रः, कुतः। (iv) छात्रस्य। उत्तरम्—(i) बालकौ, (ii) आगच्छ, (iii) कः, (iv) छात्रस्य। (4) मञ्जूषातः उचितम् अथ्यययदं जित्वा अधोदत्तान् प्रशान्।	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छिंस मातुलचंद?  ! किरसि कथं न स्नेहम्?  ?) दास्यिस।  जूषा से समानाथंक शब्द चुनकर ng similar meanings and  (iii) गगनम्(vi) मोहम्(vi) मोहम्
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूप्यता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यितं, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) त्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (ii) (iii) गीमण्यिति मातुलचंद? (iv) (v) महाम् गानुलचंद? (iv) मातुलचंद? (iv) मातुलचंद? उत्तरम्—(i) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातम् (i) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (ii) आगच्छितः (iii) आकाक्षाः, (iv) त्वरितम्, (iv) गीव्रम् (v) गृहम् उत्तरम्—(i) आवासि, (ii) एहि, (iii) आकाक्षाः, (iv) त्वरितम्, (ii) वालिकतम् पर्व चिन्तु। (मिन्न प्रकृति वाला पर चुनिए। (ii) आगमिष्यति, आनयति, आगच्छति, आगच्छ। (iii) करा, कः, कुतः, कुतः। (iv) छात्रान्, छात्रेप्यः, छात्राणाम्, छात्रस्थ। (iii) करा, कः, कुतः, कुतः। (iv) छात्रस्य। (4) मञ्जूषातः उचितम् अञ्चयपर्व चित्वा अधोदत्तान् प्रश्नान् अञ्चयपर्व चुनकर निम्नलिखित प्रश्न पूरे कीजिए— Pick out th किम्, करा, कतः, कतः, करा, करा, करा	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छिंस मातुलचंद?  ! किरसि कथं न स्नेहम्?  ?) दास्यिस।  जूषा से समानाथंक शब्द चुनकर ng similar meanings and  (iii) गगनम्(vi) मोहम्(vi) मोहम्
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूप्यता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) लितिमिहि मां श्रावय। (ii) (ii) (iii) गीमण्यित मातुलचंद? (iv) प्राव्या (v) महाम् मातुलचंद? (iv) मातुल (t) महाम् मातुलचंद? (iv) मातुल (t) मातुलचंद? (iv) मातुल (t) मातुलचंद? (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्या रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषानः समानार्थकं पर्व जित्या रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषाने रिक्त स्थान में लिखिए। Pick out the word havi write down in the blank space.)  लितिम्, आयासि, एहि, आकाशः, ग्रीतिम्, गेहम् (iv) शीश्रम् (v) गृहम् (ii) आगच्छि (iv) गीश्रम् (v) गृहम् (ii) आयासि, (ii) एहि, (iii) आकाशः, (iv) त्वरितम्, (i) वालिकाम् पर्व जित्या। (मिन्न प्रकृति वाला पद चुनिए। (ii) आगम्ब्यित, आनयति, आगच्छति, आगच्छ। (iii) कत्य, कः, कुतः, तुतः। (iv) छात्रस्य। (iv) छात्रम्, छात्रभ्यः, छात्राणाम्, छात्रस्य। (iv) छात्रम्, छात्रभ्यः, छात्राणाम्, छात्रस्य। (iv) छात्रस्य। (iv) छात्रम्, छात्रभ्यः, छात्रणाम्, छात्रस्य। (iv) चालकौ, (ii) आगच्छ, (iii) कः, (iv) छात्रस्य। (iv) चालकौ, (ii) चालकौ, ल्यम् इत्तां चाळ्यस्यः, कुतः, कथम्, कुतः	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छिंस मातुलचंद?  ! किरसि कथं न स्नेहम्?  ?) दास्यिस।  जूषा से समानाथंक शब्द चुनकर ng similar meanings and  (iii) गगनम्(vi) मोहम्(vi) मोहम्
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूप्यता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) त्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (iii) गीमण्यित मातुलचंद? (v) महाम् मातुलचंद? उत्तरम्—(i) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्त्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः आयाप्ति, एडि, आकाशाः, ग्रीतिम्, गेहम् (iv) शाप्तम् (v) गृहम् उत्तरम्—(i) आयापित, (ii) एडि, (iii) आकाशाः, (iv) त्वरितम्, (ii) वार्तिकम् पर्व जिन्त्व। (मिन्न प्रकृति वाला पद चुनिए। तांरिक्ता, बालकः, बालकः, गृहम्। (ii) आगम्ब्यति, आन्यति, आगच्छति, आगच्छ। (iii) करा, कः, कुतः, तुतः। (iv) छात्रस्य। उत्तरम्—(i) बालको, (ii) आगच्छ, (iii) कः, (iv) छात्रस्य। (4) मञ्जूषातः उजितम् अव्ययपदं जित्त्वा अधोवत्तान् प्रश्नान् अव्ययपदं चुनकर निम्नित्वित प्रश्न पूर्व कींजिए— Pick out the from the box and complete the questions given l किम्, कदा, तुतः, कथम्, कुत्रः (i) बालको ल्वम् इदानीं च्या अगव्छित?	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छिंस मातुलचंद?  ! किरसि कथं न स्नेहम्?  ?) दास्यिस।  जूषा से समानाथंक शब्द चुनकर ng similar meanings and  (iii) गगनम्(vi) मोहम्(vi) मोहम्
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानािन पूचता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कृतः: (i) व्हित्तमिह मां आवय। (ii) (iii) गिम्प्राचित्तमिह मां आवय। (ii) (iii) गिम्प्राचितमिह मां आवय। (ii) (iii) गिम्प्राचितमिह मां आवय। (ii) (iii) गिम्प्राचितमिह मां आवय। (iii) ज्वतः (iv) गातुल (iv) महाम् मातुलचंद्र?  उत्तरम्—(i) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (iv) मातुल (iv) मातुल (iv) मातुल (iv) मातुल (iv) गीत्रम् (ii) आगच्छित (iii) आगच्छित आगच्छित आगच्छित (iii) करा, कः, कुतः, कुतः। (iv) छात्रम् (iii) आगच्छ। (iii) करा, कः, कृतः, कुतः। (iv) छात्रम् (iii) आगच्छ, (iii) करा, (iv) छात्रम् (iii) अगच्छ, (iii) करा, (iv) छात्रम् (iii) अगच्छ, (iii) करा, (iv) छात्रम् (iii) आगच्छ, (iii) आगच्छ, (iii) आगच्छ, (iii) आगच्छ, (iii) आगच्छ, (iii) आगच्छितः तमम् इदानीं आपणम् गच्छिति? (iii) बालिके। तम् इदानीं आपणम् गच्छिति? (iii) बालिके। तम् इदानीं आपणम् गच्छिति? (iv) आगच्छितः प्राम्प्रचित्तमुलनचंद्रे	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छिंस मातुलचंद?  ! किरसि कथं न स्नेहम्?  ?) दास्यिस।  जूषा से समानाथंक शब्द चुनकर ng similar meanings and  (iii) गगनम्(vi) मोहम्(vi) मोहम्
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानानि पूप्यता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कुतः: (i) त्वरितमेहि मां श्रावय। (ii) (iii) गीमण्यित मातुलचंद? (v) महाम् मातुलचंद? उत्तरम्—(i) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (t) मञ्जूषातः समानार्थकं पर्व जित्त्वा रिक्तस्थाने लिखत। (मञ्जूषातः आयाप्ति, एडि, आकाशाः, ग्रीतिम्, गेहम् (iv) शाप्तम् (v) गृहम् उत्तरम्—(i) आयापित, (ii) एडि, (iii) आकाशाः, (iv) त्वरितम्, (ii) वार्तिकम् पर्व जिन्त्व। (मिन्न प्रकृति वाला पद चुनिए। तांरिक्ता, बालकः, बालकः, गृहम्। (ii) आगम्ब्यति, आन्यति, आगच्छति, आगच्छ। (iii) करा, कः, कुतः, तुतः। (iv) छात्रस्य। उत्तरम्—(i) बालको, (ii) आगच्छ, (iii) कः, (iv) छात्रस्य। (4) मञ्जूषातः उजितम् अव्ययपदं जित्त्वा अधोवत्तान् प्रश्नान् अव्ययपदं चुनकर निम्नित्वित प्रश्न पूर्व कींजिए— Pick out the from the box and complete the questions given l किम्, कदा, तुतः, कथम्, कुत्रः (i) बालको ल्वम् इदानीं च्या अगव्छित?	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छिंस मातुलचंद?  ! किरसि कथं न स्नेहम्?  ?) दास्यिस।  जूषा से समानाथंक शब्द चुनकर ng similar meanings and  (iii) गगनम्(vi) मोहम्(vi) मोहम्
(1) मञ्जूषायाः सहायतया रिक्तस्थानािन पूचता (मञ्जूषा की Fill in the blanks with help from the box.)  दास्यित, कुत्र, मातुल, गीतिम्, कृतः: (i) व्हित्तमिह मां आवय। (ii) (iii) गिम्प्राचित्तमिह मां आवय। (ii) (iii) गिम्प्राचितमिह मां आवय। (ii) (iii) गिम्प्राचितमिह मां आवय। (ii) (iii) गिम्प्राचितमिह मां आवय। (iii) ज्वतः (iv) गातुल (iv) महाम् मातुलचंद्र?  उत्तरम्—(i) गीतिम् (ii) कुतः (iii) कुत्र (iv) मातुल (iv) मातुल (iv) मातुल (iv) मातुल (iv) मातुल (iv) गीत्रम् (ii) आगच्छित (iii) आगच्छित आगच्छित आगच्छित (iii) करा, कः, कुतः, कुतः। (iv) छात्रम् (iii) आगच्छ। (iii) करा, कः, कृतः, कुतः। (iv) छात्रम् (iii) आगच्छ, (iii) करा, (iv) छात्रम् (iii) अगच्छ, (iii) करा, (iv) छात्रम् (iii) अगच्छ, (iii) करा, (iv) छात्रम् (iii) आगच्छ, (iii) आगच्छ, (iii) आगच्छ, (iii) आगच्छ, (iii) आगच्छ, (iii) आगच्छितः तमम् इदानीं आपणम् गच्छिति? (iii) बालिके। तम् इदानीं आपणम् गच्छिति? (iii) बालिके। तम् इदानीं आपणम् गच्छिति? (iv) आगच्छितः प्राम्प्रचित्तमुलनचंद्रे	सहायता से रिक्त स्थान भरिए।  आगच्छिस मातुलचंद? ! किरिस कथं न स्नेहम्?  ) दास्यिस।  जूष से समानार्थंक शब्द चुनकर ng similar meanings and  (iii) गगनम्(vi) मेहम्(vi) मेहम्(vi) मोहम्(vi) मोहम्(vi) मोहम्(vi) मोहम्(vi) मोहम्(vi) मोहम्